

11-03-2024

अंतरविद्वीप महिला दिवस

अंतरविद्वीप महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं की वर्तमान स्थिति एवं पूर्व स्थिति के तुलनात्मक अध्ययन पर समूह चर्चा की जा रही है। इस हेतु वक्तागण निम्नानुसार हैं -

- 1) उमार्शकर निर्मल - M.S.W
- 2) मधु वर्मा - MA Polt. Sci.
- 3) गौरी साह - M.Com
- 4) अंजली सिंह - UDS/गैस्ट अध्या. (संशोधन)
- 5) प्रिया चंदाकर - गैस्ट अध्या. गणित
- 6)

क्र०	छात्र/छात्रा का नाम	हस्ताक्षर
1	भूमिका साहू	<u>Bhumika</u>
2	विभा साहू	<u>Divya</u>
3	रंजिता प्रजापति	<u>Ranjita</u>
4	रश्मि	<u>Rishi</u>
5.	अंजलि वर्मा	<u>Anjali</u>
6.	मधु वर्मा	<u>Madhur</u>
7	गौरी	<u>Gauri</u>
8.	मनीषा	<u>Manisha</u>



शासकीय

Email: patna

कक्षांक / 817

एकेडमि

आवश्यकता हेतु

परीक्षण का विश

समिति

परीक्षण प्राचार्य

कक्षांक

01. बी.ए. /

02. समस्त

03. पीजीसी

समिति का विवर

01. श्रीमती रमि

02. श्रीमती अरा

03. श्री विवेक

04. श्रीमती ज्यो

राष्ट्रीय चंद्रमाल चंद्राकार कला एवं विज्ञान महोत्सवलय पटना, बिहार-दुर्ग (छत्तीसगढ़) 491111

दूसरे दिनांक

पत्र- 12.03.2024

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस आह्वान

पत्र | राष्ट्रीय चंद्रमाल चंद्राकार कला एवं विज्ञान महोत्सवलय पटना में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन समाजशास्त्र विभाग के सह-आयोजन में किया गया | इस आयोजन का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण और नारी चेतना के विभिन्न आयामों से छात्र-छात्राओं को परिचित कराना, तथा उनके नई चेतना के माध्यम से सामाजिक बदलाव और आर्थिक सुदृढ़ता के प्रयासों को और तेज बनाने हेतु उत्पन्न करना था | इसी कड़ी में हमारा ही गौरव हमारे (विभाग-आयोज्य) ने इसी दिनांक के परांश महासम्मेलन का उद्घरण प्रस्तुत किया, तथा उनकी पाने सुझावों का उद्घरण कार्य के समाप्त रखा | डॉ आर के वर्मा (विभाग-आयोज्य) ने छत्तीसगढ़ में टोली प्रस्तुत अतिथिगत उत्पन्न करने, मनु तथा विष्णु मनुस्मृत पर नियंत्रण, तथा संविधान के 73 वें और 74 वें संशोधन विधिवक के माध्यम से भारतीय महिलाओं में महिला नेतृत्व के माध्यम से नारी सशक्तिकरण, जैसे कई प्रयासों का विशेष उल्लेख किया | डॉ पुष्पा मिश्र (संयोजक एवं सहस्यक प्राध्यापक समाजशास्त्र) ने भारतीय संस्कृति को बढ़ाते हुए महिलाओं को प्रगति बनाने का अहम किया | इसके पश्चात प्राचार्य डॉ शोभा श्रीवास्तव ने स्वयं महिलाओं को ही समाज और परिवार की धुरी कहा | अपने बतलाया कि महिलाओं को बिना अपना सामाजिक-ट्रिबल निवार केवल आर्थिक सशक्तता की ओर अकेले चला बटाने का कोई अर्थ नहीं है | क्योंकि इससे सामाजिक विचार और पालन तय है | एम एस डब्ल्यू के छात्र उपस्थित निर्देशक, कनिष्ठ के छात्र लोरी देवानगीन अदि कुछ छात्राओं ने भी संबोधित किया | इस अवसर पर महोत्सवलय के मेहता प्राध्यापक प्रिंस चंद्राकार, लोकेश्वरी, अंजली सिंह, राहुल चौधरी, अभिषेक वर्मा तथा एम एस डब्ल्यू, एम ए, (समाजशास्त्र), एमएससी (नर्सिंग), एम बीएम (कनिष्ठ) के छात्र उपस्थित थे |

Sh

